खबर संक्षेप

मां शारदा धाम में यात्री क्रमांक 1 गदंगी का साम्राज्य

मैहर। मां शारदा प्रबंधक समिति के सदस्य सचिन मिश्रा,आलोक अग्रवाल एवं कृष्णा चौरसिया ने मंदिर परिसर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पोल खोल दी।निरीक्षण के दौरान यात्री क्रमांक-1, टमस भवन सहित कई स्थानों पर अव्यवस्थाएं सामने आईं,जिससे समिति सदस्य नाराज नजर आए। सबसे पहले यात्री क्र-1 पर फैली गंदगी को लेकर समिति सदस्यों का गुस्सा फूट पड़ा।मौके पर मौजूद कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल साफ-सफाई के निर्देश दिए गए। स्पष्ट शब्दों में कहा गया कि मां शारदा धाम जैसे आस्था के केंद्र पर इस तरह की लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सचिन मिश्रा ने दो टूक कहा कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और बेहतर व्यवस्था देना प्रबंधक की जिम्मेदारी है,और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि यदि आगे भी ऐसी लापरवाही सामने आई तो संबंधित जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई तय है। निरीक्षण के दौरान पेयजल, छाया और अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी जांच की गई। समिति ने निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए हर जरूरी सुविधा तत्काल प्रभाव से दुरुस्त की जाए। औचक निरीक्षण के बाद मंदिर प्रशासन में हड़कंप की स्थिति देखी गई,वहीं समिति सदस्य के सख्त तेवरों से कर्मचारियों में भी सतर्कता बढ़ गई है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बढ़ते प्रहार लोकतंत्र के लिए खतरा: पंकज मिश्रा

मैहर। जिला कांग्रेस कार्यालय मैहर में आज संविधान लीडरशिप प्रोग्राम विषय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार प्रहार हो रहे हैं,जो लोकतंत्र के लिए गंभीर चिता का विषय है। उन्होंने कहा कि आज परिस्थितियाँ इस दिशा में बढ़ती दिखाई दे रही हैं,जहां सत्ता के विरोध में उठने वाली आवाज़ों को व्यवस्थित रूप से दबाने का प्रयास किया जा रहा है। सवाल पूछना कठिन होता जा रहा है और सत्य को सामने लाने वालों पर विभिन्न प्रकार के दबाव बनाए जा रहे हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं है,बल्कि संविधान की मूल भावना पर सीधा आघात है। श्री मिश्रा ने बताया कि संविधान लीडरशिप प्रोग्राम का उद्देश्य डिजिटल माध्यमों से जुड़े युवाओं और इन्फ्लुएंसर्स को केवल सोशल मीडिया तक सीमित रखना नहीं,बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर सक्रिय नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित करना है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में युवाओं एवं कंटेंट क्रिएटर्स का एक सशक्त नेटवर्क तैयार किया जाएगा,जो सामाजिक न्याय,समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा।

अपना दल यस ने मनाई ज्योतिबा राव फुले की 199वीं जयंती

सतना। अपना दल यस के तत्वावधान में शिक्षा के जनक ज्योतिवाराव फुले जी की 199 वीं जयंती समारोह का आयोजन सावित्री शिक्षा सदन नई बस्ती में अपना दल यस के पूर्व युवा प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह बिसेन के मुख्य आतिथ्य में तथा अपना दल यस के जिलाध्यक्ष डी.पी.पटेल के अध्यक्षता में मनाई गई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुखेन्द्र सिंह पूर्व प्रदेश महासचिव युवा मंच,मनभरण कोल पूर्व प्रदेश सचिव तथा सुशील कुमार सोनी रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मान सिंह बिसेन ने अपने वक्तव्य में ज्योतिवाराव फुले जी के कृतिज्ञ और व्यक्तित्व के बारे में बताते हुए कहा कि यदि ज्योतिवाराव फुले न होते तो आज भी देश का पिछड़ा दलित, अल्पसंख्यक और महिलाएँ अनपढ़ होती क्योंकि सन 1948 के पहले हिन्दू वर्ण व्यवस्था में शूद्र जातियों को शिक्षा से वंचित रखा जाता था,महिलाएं चाहे किसी भी वर्ग की हों उन्हें शिक्षा का अधिकार नही था कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डी.पी.पटेल ने कहा कि मैंने अपने विद्यालय का नाम ज्योतिवाराव फुले और उनकी पत्नी शिक्षा की देवी सावित्री बाई फुले के नाम से इसलिए रखा क्योंकि वो नारी शिक्षा की जनक थी।

डालीबाबा में अतिक्रमण हटाने पर भारी बवाल

टीम पर पथराव, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

3 महिला पुलिसकर्मी घायल
कार्रवाई के दौरान अचानक भड़की हिंसा

जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत डालीबाबा इलाके में शनिवार को उस समय रणक्षेत्र जैसी स्थिति बन गई,जब जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अमले और पुलिस बल पर अचानक पथराव शुरू कर दिया।

सतना।

इस हिंसक झड़प में तीन महिला पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गईं,जबकि एसडीएम और थाना प्रभारी बाल-बाल बचे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को अंततः अश्रुगैस के गोले दागने पड़े।

घटनाक्रम: क्यों और कैसे शुरू हुआ विवाद?

जानकारी के अनुसार, डालीबाबा क्षेत्र में अनीता अरोरा नामक महिला की निजी भूमि पर कुछ लोगों ने वर्ष 2023 से अवैध कब्जा कर रखा था। इस मामले में माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पहले भी कब्जा खाली कराया गया था,लेकिन भू-माफियाओं ने दोबारा वहां अवैध निर्माण कर लिया। प्रशासन द्वारा बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जब कब्जा नहीं हटाया गया,तो एसडीएम राहुल सिलाड़िया, सीएसपी देवेंद्र प्रताप सिंह और भारी पुलिस बल के साथ नगर निगम की टीम जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची।जैसे ही टीम ने अवैध रूप से बने पांच मकानों को ढहाने की प्रक्रिया शुरू की,आसपास की गलियों और छतों से अज्ञात लोगों ने पत्थरों की बारिश शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले से मौके पर भगदड़ मच गई।अधिकारी और कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

तीन महिला पुलिसकर्मी घायल,अधिकारी बाल-बाल बचे

पथराव की इस घटना में ड्यूटी पर तैनात महिला आरक्षक रेखा पवार,सुषमा पांडेय और आरती चतुर्वेदी चोटिल हुई हैं।गनीमत रही कि एसडीएम राहुल सिलाड़िया और सिटी कोतवाली थाना प्रभारी रावेंद्र द्विवेदी को कोई गंभीर चोट नहीं आई। पत्थरबाजी इतनी भीषण थी कि प्रशासनिक वाहनों के कांच भी टूट गए।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई और गिरफ्तारी

मामला बिगड़ता देख तत्काल अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर बुलाया गया। पूरे इलाके की घेराबंदी की गई और उपद्रवियों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। दोपहर लगभग 2 बजे टीम एक बार पीछे हटी,लेकिन शाम 5 बजे दोबारा 'लाव-लश्कर' के साथ धावा बोला गया। पुलिस ने पथराव में शामिल दो पुरुषों और एक महिला सहित कुल आधा दर्जन से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

तलाशी अभियान

ड्रोन और सीसीटीवी फुटेज की मदद से उन लोगों की पहचान की जा रही है जिन्होंने छतों से पत्थर फेंके थे।

अधूरा रहा ध्वस्तीकरण,भारी तनाव

प्रशासनिक योजना के मुताबिक कुल पांच मकान तोड़े जाने थे,लेकिन भारी विरोध और पथराव के चलते टीम केवल तीन मकानों को ही आंशिक रूप से ढहा सकी। क्षेत्र में अभी भी तनाव व्याप्त है,जिसे देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

अधिकारियों का पक्ष

जिन लोगों ने अवैध कब्जा किया था,उनके खिलाफ विभिन्न न्यायालयों से बेदखली के आदेश जारी हो चुके थे। उन्हें पर्याप्त नोटिस भी दिए गए थे। अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना की जांच की जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

-राहुल सिलाड़िया, एसडीएम

पुलिस और राजस्व टीम पर हमला करने वालों की तलाश की जा रही है। कुछ उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है। हम घटना के हर पहलू की जांच कर रहे हैं कि आखिर अचानक पथराव की योजना किसने बनाई।

-देवेंद्र प्रताप सिंह,नगर पुलिस अधीक्षक

सतना और मैहर में 'कागजी' गौशालाओं का खेल: करोड़ों के घोटाले का आरोप

सतना।

जिले में संचालित गौशालाओं की व्यवस्था अब बड़े सवालों के घेरे में है। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के पूर्व अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने सर्किट हाउस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शासन और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।उन्होंने दावा किया कि सतना और मैहर जिले में गौशालाएं केवल कागजों पर चल रही हैं और उनके नाम पर हर माह करोड़ों रुपये की सरकारी राशि का गबन किया जा रहा है। दिलीप मिश्रा ने आंकड़ों के साथ इस कथित घोटाले का खुलासा करते हुए बताया जिले में लगभग 59 गौशालाएं संचालित बताई जा रही हैं।सरकारी रिकॉर्ड में 14,701 पशु दर्ज हैं। शासन द्वारा प्रति गोवंश 40 रुपये प्रतिदिन (यानी 1200 रुपये प्रतिमाह) भरण-पोषण के लिए दिए जाते हैं। यह राशि प्रतिमाह लगभग 1 करोड़ 76 लाख 41 हजार 200 रुपये होती है।

नेताओं और अफसरों की मिलीभगत का आरोप

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस बड़े घोटाले में सफेदपोश नेताओं से लेकर छोटे-बड़े प्रशासनिक अधिकारी तक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उप संचालक (पशु चिकित्सा सेवा) के प्रस्ताव और कलेक्टर की अनुशंसा पर राशि तो जारी हो रही है, लेकिन धरातल पर इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। दिलीप मिश्रा ने शासन से मांग की है कि गौशालाओं के नाम पर हो रहे इस महासंकट और घोटाले की निष्पक्ष जांच के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की एक विशेष टीम गठित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कागजों पर चल रही इन गौशालाओं की जमीनी हकीकत की जांच नहीं हुई,तो यह गोवंश के संरक्षण के नाम पर जनता के पैसे की खुली लूट होगी।

बेलदरा निवासी सभी बरहों कार्यक्रम से लौट रहे थे,15 से ज्यादा घायल

मैहर में ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रेलर ने मारी टक्कर

मैहर।

मैहर में सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली को तेज रफ्तार ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।जानकारी के अनुसार मैहर में भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में 15 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और नेशनल हाईवे 30पर लंबा जाम लग गया। घायलों को मैहर और अमरपाटन के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। यह घटना मैहर के नादन थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाइवे 30 रिगरा ब्रिज के पास की है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रेलर ने मारी टक्कर

बताया जा रहा है कि मैहर के नादन थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाइवे 30 रिगरा ब्रिज के पास डीजल खत्म होने के कारण सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली को तेज रफ्तार ट्रेलर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार 15 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सभी घायल बेलदरा निवासी हैं और ये बरहों कार्यक्रम से लौट रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हो गया।

ट्रैक्टर पर सवार 15 लोग घायल

इस घटना के बाद नेशनल हाईवे 30 पर लंबा जाम लग गया।सूचना मिलने के बावजूद नादन थाना प्रभारी पंच राज सिह करीब 2 घंटे से अधिक देर बाद घटनास्थल पर पहुंचे,जिससे लोगों में नाराजगी देखने को मिली,वहीं डायल 112और हाईवे पेट्रोलिंग टीम ने घायलों को मैहर और अमरपाटन के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि गंभीर रूप से घायल दो लोगों को जिला अस्पताल सतना रेफर कर दिया गया। अमरपाटन अस्पताल में भर्ती घायलों में संखिबाई साकेत (50),अजय बुनकर (17),प्रदीप साकेत (24) और संतोष साकेत (50) शामिल हैं,जबकि अन्य घायलों का इलाज मैहर में जारी है। वहीं अमरपाटन सिविल अस्पताल में घंटों तक 108 एम्बुलेंस के नहीं पहुंचने से मरीजों के परिजनों ने जमकर हंगामा किया।

बरहिया कोटेदार की मनमानी से गरीबों को नहीं मिल रहा राशन

आज डिजीटल के समय पुराने नाप तौल की उपयोगिता लूट का कारण बन रही है, जांच की मांग

मैहर।

बरहिया ग्राम पंचायत मैहर जिले की ग्राम पंचायत बरहिया में कोटेदार की मनमानी से ग्रामीणों को राशन नहीं मिल रहा जिसके चलते भूखों मरने की नौबत आ गई है।इस संबंध ग्रामीणों के द्वारा बताया जा रहा है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएम) के तहत मिलने वाले राशन में मनमानी की जा रही है। आरोप यह भी लगाए जा रहे है कि कोटेदार और उसके कर्मचारी की मिलीभगत से हितग्राहियों को कम तौलकर अनाज दिया जा रहा है।राशन वितरण के समय ग्रामीणों के द्वारा बनाए गए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि डिजिटल युग में भी पुराने तराजू-बांट का इस्तेमाल किया जा रहा है। इतना ही नहीं, तौल के दौरान कर्मचारी हाथ से कांटा दबाकर वजन कम कर देता है। जिस पल्ले में बांट रखा है,उसे ठीक से उठाया तक नहीं जाता-यानी तौल की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह सब कुछ खुलेआम होने के बावजूद गरीब हितग्राही विरोध नहीं कर पा रहे हैं। कारण चाहे डर हो या निर्भरता,लेकिन उनके हक का अनाज दिनदहाड़े छीना जा रहा है।

नाप-तौल विभाग की चुप्पी पर सवाल

इस पूरे मामले में नाप-तौल विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है।विभाग का काम है बाजारों, दुकानों और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में इस्तेमाल हो रहे उपकरणों की जांच करना,लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी मौजूदगी लगभग शून्य नजर आती है। ग्रामीण अंचलों में बॉटों में विभाग के द्वारा लगाए जाने वाली सील नहीं लगाई जाती है वहीं पुरानी लगाई शील को निकाल देने से बांट का वजन कम हो जाता है और कोटेदार के आदमी उसी बांटों से तौल करते है जिससे उपभोक्ता का कम अनाज मिलता है। बताया जाता है कि आज कई सालो से तराजू बांटो की जांच नहीं की जा रही है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब सरकार पारदर्शिता और डिजिटल व्यवस्था से नाम तौल की जा रही है तब पुराने तराजू और बांटों की क्या उपयोगिता रह गई है आखिर जो भी हो जमीनी स्तर पर यह लापरवाही और भ्रष्टाचार पनप रहा है जिसका शिकार ग्रामीण हो रहे है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए,ताकि गरीबों का हक सुरक्षित रह सके।

अक्षय तृतीया उत्सव का आयोजन

सतना।

समाज की अग्रणी सामाजिक संस्था अग्रवाल महिला मण्डल द्वारा 11 अप्रैल को अक्षय तृतीया उत्सव का आयोजन बूटी बाई अग्रसेन हॉल में किया गया। सतना अध्यक्ष सीमा व सचिव पूजा के नेतृत्व में अकती की गुड्डा गुडिया सजाने व सत्तू के लड्डू बनाकर लाने की प्रतियोगिता कराई गई। साथ में मनोरंजक गेम व हाऊसी कराई गई। साथ ही गरीब कन्या की शादी के लिए अग्रवाल महिला मण्डल एवं सदस्यों द्वारा सामान देकर सहयोग किया। बीओडी मणिका, नेहा, प्रीति, हेमा, मोनिका, मीना एवं पूर्वाध्यक्षाएं शशि, सरोज शिल्पी, मंजूषा एवं स्वजातीय बहनें सपना, ज्योति, अनामिका, कांता उपस्थित रहीं। इन प्रतियोगिता की जज मंजूषा,कमला रही। गुड्डा गुडिया सजाने में रेनूका रहीं। सत्तू के लड्डू में प्रथम मृदुला द्वितीय संगीता,रेनूका तृतीय नेहा,सुधार चतुर्थ कांता,रितिकारही। इस कार्यक्रम की जानकारी पीआरओ नमीता व जया द्वारा दी गई।

मैहर में सेवा और संवेदना का संगम: दिव्यांगजनों के समापन समारोह ने छुआ दिल

मैहर। पर्यटन सूचना केंद्र में आयोजित दिव्यांगजनों के समापन समारोह ने मानवता,सेवा और संवेदना की एक मजबूत मिसाल पेश की। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी और सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष महत्व दिया। उमेश सिंह की मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा को और ऊंचाई दी। इस दौरान दिव्यांगजनों को फल वितरण किया गया, जहां उनके चेहरों पर आई सच्ची मुस्कान ने पूरे माहौल को भावुक और आत्मीय बना दिया। यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा,बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का आईना बनकर उभरा। सेवा,अपनत्व और संवेदनशीलता से भरा यह प्रयास यह संदेश दे गया कि सच्ची मानवता दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में ही बसती है।

मैहर में नवागत कलेक्टर ने संभाला पदभार

मैहर। जिले की नवागत कलेक्टर विदिशा मुखर्जी ने शनिवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मैहर का विधिवत रूप से पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। सभी ने नवागत कलेक्टर का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर विदिशा मुखर्जी ने पदभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों से चर्चा की और जिले में चल रहे विकास कार्यों,कानून-व्यवस्था तथा जनहित योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन एवं आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण उनकी प्राथमिकता होगी।

नवागत मैहर कलेक्टर ने किये मां शारदा देवी के दर्शन- इसके पूर्व मैहर जिले की नवागत कलेक्टर विदिशा मुखर्जी ने शनिवार को मैहर पहुंचकर सबसे पहले प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मां शारदा देवी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर एसडीएम दिव्या पटेल सहित प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

अमानगंज ने मुख्य स्थानों पर निशुल्क प्याऊ का शुभारंभ किया

अमानगंज- गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद अमानगंज अध्यक्ष श्री मति सारिका शारदा खटीक और भाजपा मंडल अध्यक्ष पार्षद डॉ प्रशांत चतुर्वेदी, मुकेश राजू चौबे, श्रीमती राधा चौधरी, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष दशरथ गुप्ता के द्वारा नगर के प्रमुख स्थानों पर निरूशुल्क प्याऊ का शुभारंभ किया गया।यह प्याऊ केवल एक दिन की पहल नहीं है, बल्कि आने वाले पूरे मौसम में निरंतर संचालित रहेगा। अमानगंज नगर परिषद अध्यक्ष ने कहा मैने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि प्याऊ को स्वच्छ, सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाए, ताकि हर नागरिक को शुद्ध पेयजल मिल सके।जन सेवा ही हमारा संकल्प है, और आपकी सुविधा ही हमारी प्राथमिकता।आप सभी से आग्रह है कि इस व्यवस्था का लाभ लें और इसे स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।

तेज रफ्तार मोटरबाइक असंतुलित होकर गिरी, दो युवक घायल

अमानगंज- पुलिस थाना क्षेत्र के टाइ मोड पास आज एक तेज रफ्तार मोटरबाइक जो अमानगंज से टाइ की ओर जा रही थी अचानक असंतुलित होकर गिर गई इस घटना में राजेंद्र सिंह पिता उज्जवल सिंह राजपूत उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम टाइ और नरेंद्र सिंह पिता चंदन सिंह राजपूत उम्र 32 निवासी टाइ घटना में घायल बताए गए हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज में दिया गया और बताया गया की कोई गंभीर चोट नहीं है और कुछ ही समय बाद उनकी छुट्टी कर दी गई।

पूर्व सरपंच दशरथ पांडे का निधन

पन्ना। जिले के अमानगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम रामपुर क्षेत्र से ऊर्जावान नेता के रूप में पहचान देने वाले पूर्व सरपंच दशरथ पांडे का आधी रात साइलेंट अटैक आज आने से निधन हो गया उनकी उम्र तक जीवन 70

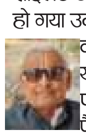

वर्ष बताई जा रही है यह खबर जैसे ही उनके परिजनों नाते रिश्तेदारों में फैली चारों ओर दुख की लहर दौड़ गई और सभी एक जुट होकर उनके निवास पहुंचे उनका अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम रामपुर में हुआ जहां भारी संख्या में स्थानीय क्षेत्रीय लोग पहुंचे और मुखाग्निक उनके बड़े पुत्र सरपंच अनिल पांडे नोनू ने दी है ज्ञात हो कि आप एक मिलनसार व्यक्ति होने के साथ ही सामाजिक एवं धार्मिक कार्यकर्ता के रूप में एक बड़ी पहचान उसे क्षेत्र में बना चुके थे चार बार आप अपने ग्राम से सरपंच पद पर रहकर आम जनमानस की सेवा कर चुके हैं आपका हाल निवास अमानगंज वार्ड क्रमांक 4 अमानगंज में है हालांकि आपका गांव आना जाना रोजाना चलता था और आज भी कई समस्याओं के निराकरण हेतु लोग आपके पास पहुंरते रहे आपने अपनी अंतिम सांस तक अपने सहयोगियों की ग्राम वासियों की सेवा की है रामपुर में हमेशा आप याद किए जाएंगे।

रूंझ एवं मझगांय बांध परियोजना क्षेत्र की 5 किमी परिधि में धारा 163 प्रभावशील

पन्ना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ऊषा परमार ने अनुविभागीय मजिस्ट्रेट अजयगढ़ के प्रतिवेदन पर तत्काल प्रभाव से रूंझ एवं मझगांय बांध परियोजना क्षेत्र के 5 किलोमीटर की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत धारा 163 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर प्रतिबंधात्मक आदेश पारित किया है। उक्तादेश 8 अप्रैल 2026 से दो माह तक प्रभावशील रहेगा। इसके उल्लंघन पर संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्यवाही की जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अजयगढ़ अनुभाग अंतर्गत रूंझ एवं मझगांय बांध परियोजनाओं के शासकीय परिसंपत्तियों की सुरक्षा व कानून व्यवस्था के दृष्टिगत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। अनुविभागीय मजिस्ट्रेट अजयगढ़ द्वारा अवगत कराया गया था कि अमित भटनागर द्वारा विगत 5 अप्रैल को पन्ना के डायमंड चौक पर प्रदर्शन करने के पश्चात दिल्ली जाने के स्थान पर छतरपुर स्थित केन बेतवा लिंक परियोजना के निर्माणाधीन दौधन बांध पर ग्रामीणों के साथ धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। दौधन बांध की तर्ज पर ही अजयगढ़ क्षेत्र की रूंझ एवं मझगांय परियोजनाओं में भी भीड़ एकत्रित कर निर्माणाधीन कार्य को जबरन रूकवाया जा सकता है। इससे शासकीय संपत्ति को भारी नुकसान सहित कानून व्यवस्था बिगड़ना भी संभावित है। अब बांध परियोजना क्षेत्र के 5 किलोमीटर की परिधि में कोई भी व्यक्ति नारेबाजी नहीं करेगा ।

जो गुनाह करें उस पर कार्यवाही करें पर पुलिस बिना गुनाह वालों को भी करती है परेशान, पारधी समाज के कई लोगों ने आपबीती सुनाई

जिले के अंतिम छोर शाहनगर जनपद अंतर्गत ग्राम कुपना की दास्ता जहां पारधी समाज के लोग जो गरीबी के गुजारे में गुजरबसर करते है। वहीं समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए लम्बे अर्से से सरकार प्रयासरत फिर भी इनकी दास्ता अभी भी देखते ही बनती।

पन्ना।

वहीं अक्सर गुनाहों में इस गांव के लोगों को बिना वजह बिना गुनाह के भी पुलिस के द्वारा परेषानी किये जाने के आरोप ग्रामीणों ने लगाये। जो गुनाह करें उस पर करें कार्यवाही पर बिना गुनाह के लोगों को तो बक्से।

समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए पारधी समाज के लोगों को षिक्षा के माध्यम से सतत आगे बढाने के लिए प्रयास किये जा रहे है। वहीं जो कभी जंगलों में षिकार करके अपने जीवन यापन की राह तय करते थे इन्हें विकास की दिषा में आगे बढ़ाने को लेकर वहीं षिकार की प्रथा से इन्हें अलग करने के प्रयास भी किये गये। जो जंगलों में निवास करते थे इन्हें जंगलों से भी हटाया गया। जिले में कुछ जगह बसाने की दिषा तय हुई जिसमें जिले की शाहनगर जनपद अंतर्गत कुपना ग्राम में भी पारधी समाज के लोगों की बस्ती आज वाखूबी जानी जाती है। सबसे बड़ा सवाल है कि इनकी जीवन यापन के लिए न तो जमीन और न ही धंधे वहीं षिक्षा से भी वंचित समाज कैसे जीवन में आगे जीने के लिए राह तय करें जहां इन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ-साथ इनके सतत विकास को लेकर रोजगार की दिषा भी तय होनी चाहिए पर अब इनकी ओर किसी का ध्यान सायद ही हो। वैसे तो समाज सेवियों के द्वारा कई तरह के दावे इनके विकास को लेकर किये जाते है पर इनकी दास्ता देखते ही बनती है वहीं आज भी ये दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है गांव में गुजारा नहीं जिंदगी जीने के लिए महानगरों की ओर भी जाते है क्या व्यवसाय करें कई बार मेलों में जहां माला वगैरह बेंचने के लिए भी जाते है वहीं ग्रामीणों ने अपनी आप बीती दास्ता बयां की पुलिस कई बार गांव में आती है पर जो गुनाह करते है उन पर कार्यवाही तो करना लाजमी है वहीं जो गुनाह भी नहीं करते उन्हें भी परेषान करने को लेकर पुलिस के ऊपर आरोप लगाये आखिर पारधी समाज कैसे समाज की मुख्य धारा में जुड़ेगी। इनके विकास को लेकर क्या पुलिस के द्वारा जनजागरूकता अभियान जो चलाया जाता है क्या इस समाज के लिए इनकी सोच यहां जो होना चाहिए वह तो कोसों दूर बल्कि गांव में पुलिस का भय सभी लोगों की जवान पर थी आखिर पुलिस पर जो भरोसा होना चाहिए वह डर समाया था। वहीं खुलकर लोग बयां कर रहे थे जो लोग गुनाह करें उन पर कार्यवाही हो पर जो गुनाह नहीं करते उन्हें पुलिस परेषान करती है। निष्चितौर पर जहां षिक्षा से यह समाज आज भी कोसों दूर है वहीं गरीबी की दास्ता इस गांव में देखते ही बनती है। वहीं पुलिस के साथ-साथ पंचायत में जहां आधार कार्ड व सामग्र आईडी कार्ड जैसे समस्याओं से लोग परेषान है वैसे तो सरकार की सोच समस्याओं के समाधान को लेकर कई चरणों में बयां की जाती है। पर गांवों में आज भी सच्चाई अलग ही नजर आती है। जहां बच्चे अगर इनके पढ़ने के लिए जाते है उनका राषन भी उचित मूल्य की दुकान से इन्हे नहीं मिलता आखिर ये आरोप सच्चाई को लेकर कितने है। यह तो विभाग की जिम्मेदारों से ही सामने आ सकता है। पर निष्चितौर पर समाज के अंतिम छोर के लोगों के लिए सरकार की योजन इनकी समस्याओं का समाधान जहां इनके गांवों में षिविर लगाकर करना चाहिए वहीं पुलिस को इस गांव में अपराधों की रोकथाम को लेकर वहीं पुलिस आपकी मित्र है यह नारा चरितार्थ करना चाहिए। जनजागरूकता लाकर इन्हें अपना बनाकर पुलिस से भय की बजाय मित्रता का संदेष वहीं षिक्षा की ओर प्रेरित करने के लिए हो प्रयास साथ ही इस समाज के लोगों को जहां उनके मूल्य व्यवसाय षिकार से तो दूर किया गया पर इनकी जिंदगी के गुजारे के लिए रोजगार के अवसर कब और कौन मुहैया करायेगा। आखिर जमीनी सच्चाई की पडताल में नजर आई। आखिर देखना यह है कि इनके जीवन की जिंदगी की दिषा समाज की मुख्य धारा से जोड़कर कब दिषा दी जायेगी। सरकार की योजनाओं का लाभ अतिम छोर के व्यक्तियों तक कारगर तरीके से कब पहुंचेगा। जो सबसे बड़ा सवाल है।

बीच सड़क पर बना गड्ढा दे रहा हादसों को न्यौता

पन्ना।

बीच सडक पर बना गड्डा दे रहा हादसे को न्यौता कस्बे से निकलने वाला कटनी -पन्ना एन एच मार्ग पर देवरी तिराहा पन्ना सडक मार्ग पर बीचों- बीच कई महिनों से बना गड्ढा आवागमन के लिये परेशानी का सबब बना हुआ है । इस गडढे की वजह से आये दिन मोटरसाईकिल चालक ,बडे वाहन ट्रक -बस अनियंत्रित होकर हादसों का शिकार हो रहे है सड़क के समीप दुकान संचालित करने वाले लखन चौबे ने बताया सडक पर वाहन चलाते समय यह गडढा दिखाई नहीं देता पर जब वाहन पास पहूचते हैं तो चलते समय सड़क की पटरी पर एक बहुत बड़ा गड्ढा खतरे की घंटी बना हुआ है। सड़क किनारे सपाट होने से यह गड्ढा किसी को भी नही दिखता है। रात के समय यहां के खतरों से अनेभिज्ञ यात्री किसी भी समय हादसे का शिकार हो सकते है। ग्रामीणों व राहगीरों ने जल्द से जल्द समस्या को हल करने की गुहार लगाई है।

इनका कहना है-

मैं अभी सडक निर्माण ऐजेंन्सी के अधिकारी से बात करता हू सडक का यह गडढा दुरूस्त कराया जायेगा।

रामनीवास चौधरी,
एसडीएम शाहनगर

सलेहा में वन भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध ताबड़तोड़ कार्यवाही

पन्ना।

दक्षिण पन्ना वनमण्डल के सलेहा वन परिक्षेत्र अंतर्गत दिनांक 11 अप्रैल 2026 को वन विभाग द्वारा अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। सलेहा बीट के कक्ष क्रमांक च्छ 750 एवं च्छ 748 में विगत दिनों किए गए लगभग 1 हेक्टेयर क्षेत्र में नए अतिक्रमण के प्रयासों को चिन्हित कर वन अमले ने उन्हें सफलतापूर्वक हटाया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध कब्जों पर सख्त संदेश गया है। यह पूरी कार्यवाही सलेहा वन परिक्षेत्र अधिकारी जीतू सिंह बघेल के निर्देशन में संपन्न हुई। अभियान में परिक्षेत्र सहायक दिलीप सिंह, देवेन्द्र गिरी, सहित वनरक्षक सहित प्रीति दुबे, रावेंद्र बागरी, ज्ञान प्रकाश आरख, सूर्य प्रताप सिंह, बिहारी यादव, मनोज चौरसिया, विनय मिश्रा एवं अभिषेक वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस प्रकार के अतिक्रमणों के विरुद्ध सतत और कठोर कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि वन क्षेत्र की सुरक्षा एवं संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। गौरतलब बात यह है कि अतिक्रमण हटाने की इस कार्यवाही को लेकर वन परिक्षेत्राधिकारी जीतू सिंह बघेल बात की गई तो उनका कहना है कि यह अतिक्रमण अभी हाल में ही 10-15 दिन पूर्व किया गया था पहले पन्नी लगाई गई थी मवेषियों को रखने के लिए डिप्टी रेंजर के माध्यम से नोटिस भेजने की कार्यवाही की गई तो लिया नहीं वहीं हटाने की बात की जा रही थी अतिक्रमण को पर रातोंरात ईंटगारा के माध्यम से मकान बनाने का कार्य भी किया गया। जहां कानून का पालन कराने को लेकर वन भूमि से अनाधिक्रत अतिक्रमण को हटाकर यह कार्यवाही जो सम्पन्न की गई इससे कहीं न कहीं यह संदेष दिया गया कि शासकीय जमीन जो वनभूमि की है उसमें अतिक्रमण किया जायेगा तो इस तरह की कार्यवाही करकें अतिक्रमण को हटाया भी जायेगा इससे कहीं न कहीं कानून का अभी भी राज है यह संदेष जमीनी स्तर पर भी जाना जाता है निष्चितौर पर अगर इस तरह से जिम्मेदार अधिकारी अपने दायित्वों के निर्वाहन करने को लेकर सजग रहते है तो अतिक्रमणकारियो के द्वारा अतिक्रमण के मंसूबे पूरे नहीं हो सकते।

पवई में शिक्षकों की विशाल रैली टीईटी के विरोध में सौंपा गया ज्ञापन

पवई।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ब्लॉक पवई के आह्वान पर 11 अप्रैल 2026 को स्थानीय गायत्री मंदिर, पवई से शिक्षकों द्वारा एक विशाल रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षक साथी शामिल हुए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शाम 4 बजे से शिक्षक साथियों का एकत्रीकरण प्रारंभ हुआ, जिसके बाद शाम 4रू30 बजे से गायत्री मंदिर पवई से रैली निकाली गई। रैली बस स्टैंड से प्रमुख मार्ग से होते हुएॅ क्ड कार्यालय पहुंची और अंत में माननीय मुख्यमंत्री जी के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

इस दौरान शिक्षकों ने ज्म्ज् की अनिवार्यता के विरोध, पुरानी पेंशन योजना लागू करने तथा नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना किए जाने की प्रमुख मांगों को जोर-शोर से उठाया। कार्यक्रम में उपस्थित आजाद अध्यापक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष रघुवीर तिवारी ने कहा कि वर्षों से कार्य कर रहे शिक्षकों की योग्यता पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए उन्हें टीईटी परीक्षा के लिए बाध्य करना शिक्षकों का अपमान है। सरकार को चाहिए कि इस आदेश के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर कर शिक्षकों का पक्ष मजबूती से रखे। यह आंदोलन शिक्षकों के अधिकारों से जुड़ा हुआ है, 18 अप्रैल 2026 को भोपाल में प्रदेश व्यापी विशाल आंदोलन होगा और जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं तब तक संघर्ष जारी रहेगा। ब्लॉक अध्यक्ष नागेंद्र तिवारी के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों की एकजुटता साफ दिखाई दी, अंत में सभी ने एक स्वर में अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष विद्याचरण शर्मा, कैलाश गुप्ता, प्रदेश सदस्य आशीष पटेल, जिला उपाध्यक्ष राघवेंद्र खरे, रामसेवक चौधरी, श्रीमती राधा सिंगरौल, जीतेन्द्र गर्ग, ब्लॉक अध्यक्ष अरुण तिवारी, मुकेश पाठक, सतानंद पाठक, सुनीता नामदेव, शिक्षक सुरेंद्र खम्परिया, श्रीमती आशा मिश्रा, विनोद पौराणिक, दीप्ति पौराणिक, प्रभा चौरसिया, सुनील खम्परिया, ज्योति गुप्ता, रामप्रताप दहायत, गुड्डी वर्मा, रामसखा चौधरी, द्रौपदी चौधरी, संदीप खरे, केशकुमारी लोधी,नरेंद्र गुप्ता, विनीत तिवारी, गेंदा बाई, रमेश सेन, प्रियदर्शनी सक्सेना, हनुमत द्विवेदी, राजू पाठक, राजेंद्र सिंह, बैजनाथ कोरी, पुष्पेंद्र मिश्रा, इसहाक खान, लालमणि चौधरी आदि शिक्षक उपस्थित रहे आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

भीषण आगजनी, 20 एकड़ गेहूं की फसल जलकर खाक, किसानों पर टूटा संकट

पन्ना।

जिले की तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत भसूडा के ग्राम रामनई में 10 अप्रैल 2026 को दोपहर के समय अचानक भीषण आगजनी की घटना सामने आई। इस हादसे में लगभग 20 एकड़ में खड़ी और कटी हुई गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण बिजली के ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी बताया जा रहा है। दोपहर के समय तेज गर्मी और हवा के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचते, तब तक आग तेजी से खेतों में फैल चुकी थी। इस आगजनी में ग्राम रामनई के कृषक श्री राम अवतार लोधी, श्री अमित लोधी, श्री बाबूलाल लोधी और श्री चिरौंजी लाल लोधी के खेतों में खड़ी तथा कटी हुई गेहूं की फसल पूरी तरह जल गई। किसानों की महीनों की मेहनत कुछ ही पलों में राख में बदल गई। ग्रामीणों ने एकजुट होकर काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बड़ा नुकसान हो चुका था। इस घटना के बाद प्रभावित किसानों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है और वे खाने-पीने तक के लिए मोहताज हो गए हैं। ग्रामीणों और किसानों ने प्रशासन से तत्काल सहायता और मुआवजे की मांग की है। अब सभी की नजरें सरकार पर टिकी हैं कि वह इस आपदा से प्रभावित किसानों के हित में क्या कदम उठाती है।

सांसद विष्णु दत्त शर्मा के प्रयास से संजू आदिवासी की लाश हैदराबाद से पन्ना पहुंची

5 अप्रैल को हैदराबाद में एक्सीडेंट से हो गई थी मौत

डेड बॉडी प्राप्त करने परिजन दर-दर भटक रहे थे

पन्ना।

अमझिरिया निवासी संजू आदिवासी दो वक्त की रोटी के तलाश में हैदराबाद गया हुआ था गांव में ही परिवार को छोड़कर संजू पिता दारा गोड अकेले ही हैदराबाद में मजदूरी कर रहा था, तभी काम से लौटते वक्त एक एक्सीडेंट में उसकी मौत हो गई, तीन मासूम संतानों का पिता संजू आदिवासी की मौत की खबर जब परिजनों को लगी तो गरीब परिजन लाश प्राप्त करने के लिए दर-दर भटक रहे थे लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं मिल रही थी तभी सांसद विष्णु दत्त शर्मा रास्ते से गुजरे तब बिलख रहे परिजनों ने अपनी आपबीती बताई तत्काल सांसद विष्णु शर्मा ने हैदराबाद प्रशासन से संपर्क किया तत्काल संजू आदिवासी के शव को पन्ना पहुंचने की व्यवस्था करवाई, 35 घंटे के अंदर एंबुलेंस के माध्यम से संजू की डेड बॉडी अमझिरिया पहुंच गई है जैसे ही शव परिजनों के पास पहुंचा परिजन और गांव के लोग बिलख उठे, संजू अपने पीछे 14 वर्षीय बेटी कांति गोड़,10 वर्षीय पुत्र मीनू और 7 वर्षीय बेटी मनीषा को छोड़ गए है 35 वर्षीय पत्नी वर्षा ने बताया कि हम लोग शव को पन्ना ला पा ने में असमर्थ थे घर में पैसे नहीं थी और कोई संपर्क नहीं हो रहा था पर सांसद विष्णु दत्त शर्मा के प्रयास से हमारे पति की डेड बॉडी हमें प्राप्त हो गया है जिसका विधिवत अंतिम संस्कार कर रहे हैं, सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने कहा है कि यह गरीब लोग हैं मैं नियमानुसार आर्थिक मदद भी कर रहा हूं संकट की इस घड़ी में परिवार को अकेला नहीं छोड़ सकते, हम पूरी तरह से परिवार की मदद कर रहे हैं, ग्राम वासियों ने जरूरत के समय पर तत्काल मदद से संसद की कार्य की सराहना की है। सबसे बड़ा सवाल यहां पन्ना जिले की दास्ता जो पलायन की आज भी गंभीर है। भले ही पंचायतों में काम की कमी न होने के दावे किये जा रहो पर महानगरों की ओर पलायन करने को मजबूर है वहीं अकासमिक इस तरह की घटनायें परिवार को तोड़ देती है। क्या इसके लिए भी सरकार के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों के द्वारा गौर किया जायेगा। ताकि पन्ना जिले में जे.के. सीमेन्ट तथा मझगवां माईंस में हीरा खनन परियोजना जैसी कम्पनियों में भी पन्ना जिले के लोगों को रोजगार के लिए प्राथमिकता प्रदान की जाये। ताकि लोगों को अपने जिले में ही रोजगार की दिषा तय हो महानगरों की ओर आज जो पलायन करने को जो मजबूर है उससे परिवार जो बिखरते है और ऐसी दास्ता कई परिवारों के साथ बीत जाती है। कुछ के परिवार तो वहीं बिछड़ जाते है यह तो सांसद जी के प्रयासों से डेथवॉडी आने की बात हो पर पलायन जैसी समस्या से पन्ना जिले की मजबूर मजदूरों के परिवार टूटने से बचे। इसके लिए क्या होगा गौर।

खबर संक्षेप

पंचमुखी भोलेनाथ मंदिर में श्रीमद भागवत कथा, पांचवें दिन उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

राजनगर। रामबाग के पास स्थित पंचमुखी भगवान भोलेनाथ मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीमद भागवत कथा का संगीतमय आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर क्षेत्रभर से सैकड़ों श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे इलाके में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

कथा के पांचवें दिवस पर पंडित टीकाराम शास्त्री जी महाराज ने अपने मुखारविंद से अमृतमयी श्रीमद भागवत कथा का भावपूर्ण वाचन किया। उनकी सरल एवं प्रभावशाली वाणी ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कथा के दौरान भक्ति, ज्ञान और धर्म के गूढ़ तत्वों को सहज भाषा में समझाया गया, जिससे श्रोता भाव-विभोर हो उठे। श्रद्धालुओं ने बताया कि पांचवें दिन की कथा अत्यंत प्रेरणादायक रही, जिसने उनके मन में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया। कथा स्थल पर भजन-कीर्तन एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे माहौल और अधिक भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण बन गया है।

जहर खाने से गौरिहार में भी एक की हुई मौत, पिता ने गौरिहार थाने के तीन पुलिस कर्मियों पर मारपीट के लगाए आरोप

छतरपुर। जिले मे जहर खाने से लगातार यह तीसरी मौत गौरिहार मे हो गई और इस तरह की मौतो पर पुलिस पर प्रताडना के आरोप लग रहें है। जिससे खाकी का मानवीय चेहरा सामने आ रहा है चंदला मे एक युवक की थाना परिसर मे जहर खाने से हुई मौत के मामले की स्याही अभी सुख भी नहीं पाई थी कि गौरिहार मे पुलिस की मारपीट से आहत एक व्यक्ति ने जहर खा लिया और उसकी मौत हो गई। इस मामले मे पता चला है कि पति पत्नी के बीच हुए मामूली विवाद को लेकर पत्नी ने डायल 112 मे शिकायत की थी और इस शिकायत पर अर्जुन श्रीवास को थाने ले जाया गया था।

बाद मे उसने जहर खा लिया और गंभीर हालत मे उसे बांदा के अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। मृतक अर्जुन श्रीवास के पिता श्रीराम रजक ने आरोप लगाया कि गौरिहार थाने का आरक्षक अमित शर्मा, शंकर पटेल, और एएसआई राजकुमार शुक्ला ने उसके पुत्र अर्जुन के साथ मारपीट की है जिससे आहत होकर उसने जहर खाया है हालांकि मामले मे कितनी सच्चाई है यह तो जांच के बाद पता चलेगा। लेकिन लगातार थाना पुलिस की प्रताडन्ना से हो रही मौतों को लेकर अब पुलिस कटघरे मे खड़ी हो गई है इस पूरे मामले मे परिजनों का यह भी आरोप है कि पत्नी के साथ हुए मामूली विवाद को पुलिस ने बसूली का जरिया बनाकर अर्जुन को बेरहमी से पीटा और मानसिक रूप से उसे प्रताड़ित किया जिस कारण उसने जहर खाकर जान दे दी। आपको बता दें कि एक माह के भीतर पुलिस प्रताडन्ना से मौत का यह तीसरा मामला है पहली मौत राजनगर थाने मे पुलिस हिरासत में एक पटेल की हुई जिसमें दो आरक्षकों और टीआई को निलबिंत कर दिया था । दूसरी मौत कोतवाली मे जहर खाने से सुरेंद्र सिंह तोमर निवासी सरानी की हुई और इस मामले मे भी कोतवाली टीआई को निलबिंत कर दिया गया वहीं तीसरी मौत चंदला थाने मे पति पत्नी को बुलाए जाने के बाद थाना परिसर मे ही रामविशाल अहिरवार ने जहर खा लिया और इस मामले में भी एसपी ने तत्काल चंदला टीआई सदीप दीक्षित को निलंबित कर दिया। अब गौरिहार की यह चौथी घटना है जिन तीन पुलिसकर्मियों पर मारपीट कर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए जा रहें है। उन आरोपो की सही जांच होना चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सकें और लगातार जो खाकी बर्दी बदनाम हो रही है उस पर भी विराम लग सकें।

न्यायिक मजिस्ट्रेट पहुंचे चंदला थाना -

चंदला थाना परिसर मे जहर खाने से रामविशाल अहिरवार की मौत के मामले मे पुलिस अधीक्षक ने न्यायिक मजिस्ट्रेट से जांच कराने का आग्रह किया था। जिस पर लवकुशनगर के न्यायिक मजिस्ट्रेट चंदला थाने रात को ही पहुंचे और उन्होंने मृतक के परिजनो के बयान दर्ज किए बयानों के दौरान परिजनों ने पुलिस पर मारपीट करने के आरोप न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने लगाए।

इनका कहना है -

यह बात सही है कि दोपहर 12 बजे वह थाने रिपोर्ट दर्ज करने आया था मामला पति पत्नी के बीच विवाद का था। इसके बाद वह अपने घर चला गया। घर में शाम को 5 बजे कोई जहरीला पदार्थ खाया और सीधे बांदा ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिसकर्मियो द्वारा थाने मे कोई मारपीट नहीं की गई है। हमारे थाने के आडियो और बीडियो दोनो चालू थे

रूपनारायण पटैरिया
टीआई गौरिहार

दो दिवसीय भगवान परशुराम प्रकटोत्सव 19 से, 20 को भव्य शोभायात्रा

ब्राह्मण समाज की लगातार हो रही बैठकें, कार्यक्रमों की तैयारी अंतिम चरण में

छतरपुर। भगवान परशुराम प्रकटोत्सव के अवसर पर इस बार शहर में दो दिवसीय धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 19 और 20 अप्रैल को होगा । पहले दिन शहर के नारायणपुरा रोड स्थित सिद्धेश्वर मंदिर परिसर में मौजूद भगवान परशुराम मंदिर में विशेष पूजा अर्चना होगी। पहले दिन ही भगवान परशुराम का अभिषेक, पूजन, शस्त्र पूजन, हवन और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों के शामिल होने की संभावना है। प्रकटोत्सव को भव्य और दिव्य बनाने के लिए आयोजन समिति की लगातार बैठकें चल रही है। बैठकों के माध्यम से पूरे आयोजन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। महोत्सव के दूसरे दिन 20 अप्रैल को रामचरितमानस प्रांगण में दोपहर 2 बजे से भगवान परशुराम के विग्रह का अभिषेक होगा। इसके बाद विशेष पूजा अर्चना और आरती होगी। इसी स्थान से शाम 4 बजे विशाल शोभायात्रा निकाली जायेगी। यह शोभायात्रा चौक बाजार, कोतवाली, महल तिराहा, छत्रसाल चौक से होते हुए मोटे के महावीर मंदिर प्रांगण पहुंचेगी जहां इसका विराम होगा। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालु बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। भगवान परशुराम सेवा समिति ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से अपील की है कि वे इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं और भगवान परशुराम का आशीर्वाद प्राप्त करें।

पन्ना जिले के मझगांय और रूंझ परियोजना से प्रभावित लोगों की शिकायतों से पन्ना के स्थानीय प्रशासन को अवगत कराया गया हैः कलेक्टर छतरपुर

प्रदर्शन कर रहे लोग कलेक्टर या एसडीएम ऑफिस शिकायतें दे सकते हैं, समय सीमा में होगा निराकरण

छतरपुर। कलेक्टर छतरपुर पार्थ जैसवाल ने बताया कि जानकारी अनुसार पन्ना जिले के कुछ ग्राम मझगांय और रूंझ परियोजना से प्रभावित हुए है। उन ग्रामों के ग्रामवासियों ने इक_ा होकर केन बेतवा लिंक परियोजना अंतर्गत ढोडन्न डेम का काम प्रभावित किया है। इन लोगों की मुआवजा वितरण के संबंध में कुछ शिकायतें है। उन सभी शिकायतों को स्थानीय प्रशासन को प्रेषित किया गया है। साथ ही स्थानीय प्रशासन पन्ना के साथ निरंतर बात की जा रही है। कि अगर मुआवजा वितरण में कुछ विसंगती है तो उनका फिर से सर्वे कराते हुए निराकरण कराएं।

इसके अलावा छतरपुर जिले के 14 ग्राम केन बेतवा लिंक परियोजना से प्रभांवित ग्राम है। उनमें से कुछ लोगों के द्वारा शिकायतें प्रस्तुत की गई थी। जिसका पुनः पूर्व में ही जिला स्तर पर टीम गठित कर सर्वे का काम निरंतर जारी है। कुछ ग्रामों का सर्वे का काम पूरा भी हो चुका है। आगे भी सर्व कार्य जारी रहेगा। स्थानीय प्रशासन पूरे तरीके से ग्रामवासियों के साथ है। कलेक्टर ने कहा कोई भी जो अगर पात्र है तो उसका नाम नहीं छूट पाएगा। इसके अलावा किसी की अगर कोई शिकायत हो तो वह विधि अनुसार कलेक्टर ऑफिस या एसडीएम ऑफिस में दें सकतें हैं। जिसका समय सीमा में निराकरण किया जाएगा।

किसी भी प्रकार की अफवाहों में न आए प्रशासन लोगों के साथ हैः कलेक्टर

कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने अपील करते हुए कहा कि जो लोग डेम स्थल पर इक_ है। उन सभी से अनुरोध है कि स्थानीय प्रशासन से समन्वय करते हुए शिकायते प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि पन्ना जिले के लोग अपने प्रशासन से बात करें। कलेक्टर ने कहा छतरपुर के लोगों से निरंतर संपर्क स्थापित किया जा रहा है। लोग प्रशासन के साथ निरंतर बातचीत कर सकते है। किसी भी प्रकार की अफवाहों एवं अनर्गल बातों में न आए। स्थानीय प्रशासन आपकी मदद के लिए तत्पर है।

बिना ठोस प्रमाण धमकी से बढ़ा विवाद

सहायक यंत्री पर सरपंच-सचिवों ने लगाए मानसिक उत्पीडऩ के आरोप

छतरपुर। गौरिहार जनपद क्षेत्र में उस समय विवाद की स्थिति बन गई, जब सहायक यंत्री द्वारा सरपंचों और सचिवों को कथित रूप से एक धमकी भरा पत्र जारी किया गया। आरोप है कि पत्र में बिना किसी ठोस प्रमाण के भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के तहत मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी गई, जिससे क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों में भय और असंतोष का माहौल बन गया है।

बताया जा रहा है कि वर्तमान में भारतीय दंड संहिता की धारा 420 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 में परिवर्तित किया जा चुका है, इसके बावजूद पत्र में पुरानी धारा का उल्लेख किया गया। इससे संबंधित अधिकारी की नियमों और अद्यतन प्रावधानों की जानकारी पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

छतरपुर में विश्व पार्किन्सन्स दिवस पर जोरदार जागरूकता कार्यक्रम

छतरपुर। विश्व पार्किन्सन्स दिवस के अवसर पर समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सीआरसी-छतरपुर) ने दर्शना वृद्ध सेवा आश्रम में एक विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। आज 11 अप्रैल को मनाए जा रहे इस अंतरराष्ट्रीय दिवस पर केंद्र द्वारा वृद्धजनों के बीच पार्किन्सन्स रोग की जानकारी फैलाने और बचाव के उपायों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ. शारद चौरसिया और विशिष्ट अतिथि जिला अस्पताल के मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. अमित अग्रवाल रहे। डॉ. शारद चौरसिया ने बताया कि पार्किन्सन्स रोग मुख्य रूप से 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में देखा जाता है। इस रोग से बचाव के लिए नियमित व्यायाम, तनावमुक्त जीवनशैली अपनाना और स्वास्थ्य के प्रति निरंतर सजग रहना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि सक्रिय रहने से रोग की शुरुआत को रोका या देरी से किया जा सकता है।

डॉ. अमित अग्रवाल ने रोग के प्रमुख लक्षणों, इसके प्रभाव और उपलब्ध उपचार पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अनावश्यक दवाओं से बचने और शरीर को हमेशा सक्रिय रखने की सलाह देते हुए कहा कि समय पर पहचान और उचित प्रबंधन से मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं। चिकित्सकों ने वृद्धाश्रम के निवासियों को रोग से संबंधित कोई भी शंका दूर करने में मदद की। कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया, जिसमें कई वृद्धजनों की जांच की गई। पुनर्वास अधिकारी मुकेश कुमार पटेल ने केंद्र सरकार की विभिन्न दिव्यांगजन कल्याण योजनाओं की जानकारी दी तथा लाभार्थियों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। सीआरसी छतरपुर की प्रभा बेध ने संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों और पुनर्वास सेवाओं से अवगत कराया।

इस अवसर पर समाजसेवी, आश्रम के स्टाफ और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पार्किन्सन्स रोग के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इसके लक्षणों, बचाव तथा उपचार के बारे में सही जानकारी देना था।

सीआरसी छतरपुर के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं ताकि दिव्यांगजनों और वृद्धजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। विश्व पार्किन्सन्स दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम बुंदेलखंड क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक सार्थक कदम माना जा रहा है।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अधिकारों को मजबूत करने की होगी मांग

मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन का 40 वां द्विवार्षिक अधिवेशन

छतरपुर। मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एवं सेल्स एसोसिएशन का दो दिवसीय 40वां द्विवार्षिक अधिवेशन शहर के पन्ना रोड पर स्थित एक होटल में आयोजित किया जा रहा है जिसमें श्रमिक हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव की समस्याओं को कंपनी प्रबंधन और सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है।

होटल जटाशंकर ग्रांड में आयोजित दो दिवसीय द्विवार्षिक अधिवेशन के संबंध में प्रदेश महासचिव निशिकांत पंड्या और जिला सचिव विकास चौबे ने पत्रकार वार्ता में अधिवेशन की जानकारी देते हुए बताया कि संगठन द्वारा श्रमिक हितों की रक्षा के लिए चार लेबर कोड को निरस्त करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई जाएगी। उनका कहना है कि लेबर कोड को अधिक लेबर फ्रेंडली बनाया जाना जरूरी है ताकि कर्मचारियों को न्याय पाने में आसानी हो सके। इसके साथ ही त्रिपक्षीय वार्ता को तुरंत बुलाने की मांग रखने के साथ ही कोषाध्यक्ष अजय अग्निहोत्री द्वारा 2 साल का लेखा-जोखा सबके सामने रखा जाएगा। नई कार्यकारिणी का भी गठन होगा।उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन (एमपीएमआरए) वर्ष 1967 से लगातार कार्य कर रहा है और 1976 में बने कानून के तहत मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव को पर्याप्त संरक्षण प्राप्त था लेकिन हाल के समय में नौकरी की सुरक्षा पर संकट गहराया है जिससे कर्मचारियों को आर्थिक अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है। संगठन के पदाधिकारियों ने यह भी चिंता जताई कि नौकरी की गारंटी कमजोर होने से मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव को बैंक से लोन प्राप्त करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। अधिवेशन में इन सभी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। अधिवेशन से श्रमिकों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उनके हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर एनएफएसआरयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष वह एमपी हमारे के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष पांडे, संयुक्त सचिव जितेंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष अजय अग्निहोत्री विशेष रूप से उपस्थित रहे।

साहित्य श्रृजन सम्मान एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन

एक मुस्कान जिंदगी के तहत समाजसेवी शंकरलाल सोनी को किया गया सम्मानित

छतरपुर। तुलसी साहित्य अकादमी साहित्य परिषद एवं छतरपुर सिविल सोसाइटी द्वारा गांधी आश्रम में एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे शहर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं कवि गण उपस्थित रहे। यह काव्य गोष्ठी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन एवं शहर के वरिष्ठ समाज सेवी एवं स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों को सहेजकर रखने वाले शंकर लाल सोनी के 71वें जन्म दिवस पर आयोजित की गयी। इस अवसर पर जानराय टौरिया महाराज संत श्रृंगारी दास जी एवं उज्जैन के पीठाधीश महाराज हनुमान दास जी ने कार्यक्रम में पहुंचकर सभी आगंतुकों को आशीर्वाद स्वरूप दुपट्टा एवं माला से सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक कवि अवनिंद्र खरे एवं पंकज जैन संयोजक छतरपुर सिविल सोसायटी ने बताया कि इस अवसर पर शहर के करीब 48 से अधिक विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में एक मुस्कान जिंदगी के तहत शंकर लाल सोनी को विद्या दिनेश साहित्य कला एवं संस्कृति मंच द्वारा बुंदेलखंड श्रेष्ठ समाजसेवी सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से डायरेक्टर सीआरसी डॉ राजमणि पाल, आईएमए अध्यक्ष डॉ गायत्री नामदेव, रिटा.डिप्टी कमिश्नर परिवहन अजय गुप्ता, राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता डॉ संजय शर्मा, शिवसेना प्रमुख मुन्ना तिवारी, प्रमुख पेंशनर्श एशोसियेशन प्रातींय उपाध्यक्ष बीपी सिंह, वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र अग्रवाल, हरि प्रकाश अग्रवाल, प्रो सुरेंद्र सिन्हा गोविंद दास असाटी सहित समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एनआर आई आर एस एम 2025-26 में विंध्य वारियर्स की धमाकेदार जीत, बने चैंपियन

एनआर आई आर एस एम 2025-26 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में विंध्य वारियर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दादरी लीजेंड्स को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए विंध्याचल की टीम ने दादरी को 20 ओवर में 180/5 के स्कोर तक सीमित रखा। जवाब में उतरी विंध्य वारियर्स की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का परिचय देते हुए मात्र 17 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और एक यादगार जीत दर्ज की।मैच के हीरो रहे इंजीनियर (ऑपरेशन) श्री रेहान नवाज अहमद काइफ़ी, जिन्होंने 28 गेंदों में 75 रन की तूफानी पारी खेलकर 'मैन ऑफ द मैच' का खिताब जीता। दादरी लीजेंड्स के प्रबंधक (प्रचालन) श्री संजू ढाका को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' और 'बेस्ट बैट्समैन' घोषित किया गया। वहीं, विंध्याचल के जूनियर इंजीनियर (एडीएम) श्री अंजनी कुमार को 'बेस्ट बॉलर' और वरिष्ठ प्रबंधक (आरएलआई) श्री रविकांत रामिन्नी को 'बेस्ट फील्डर' का पुरस्कार मिला।

समापन समारोह में एनटीपीसी विंध्याचल के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे, जिनमें महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री ए.जे. राजकुमार, महाप्रबंधक (अनुरक्षण एवं एडीएम) श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं एफएम) व स्पोर्ट्स काउंसिल अध्यक्ष श्री एस.के. सिन्हा, महाप्रबंधक (चिकित्सा) डॉ. बी.के. भराली तथा मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) प्रमुख श्रीमती रूमा दे शर्मा शामिल रहीं।इस अवसर पर श्री ए.जे. राजकुमार ने सभी टीमों को खेल भावना के लिए बधाई दी। परियोजना प्रमुख श्री संजीब कुमार साहा ने अपने संदेश में कहा कि खेल हमें एकजुट करता है और जीत-हार से बढ़कर आपसी सौहार्द महत्वपूर्ण है। खिलाड़ियों द्वारा विंध्याचल टीम के आतिथ्य के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हुए एक विशेष वीडियो भी प्रस्तुत किया गया।

टीम विंध्याचल के कप्तान श्री सुनील भीमावत ने दादरी टीम के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। अंत में उप प्रबंधक (प्रचालन) एवं स्पोर्ट्स काउंसिल महासचिव श्री संतोष कुमार ने सभी विभागों जैसे -एचआर, टीएडी, आईटी, ऑटो बेस, आरएलआई एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया।

आर्य समाज महाराजपुर द्वारा 8 दिवसीय निः शुल्क आर्य वीर दल शिविर 3 मई से

महाराजपुर। आर्य समाज महाराजपुर द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले आर्य वीर दल शिविर का आयोजन इस वर्ष 3 मई से 10 मई 2026 तक किया जाएगा। यह आठ दिवसीय निःशुल्क आवासीय शिविर 12 से 35 वर्ष तक के युवाओं के लिए रखा गया है, जिसमें आत्मरक्षा और व्यक्तित्व विकास से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शिविर में जूडो-कराटे, तलवारबाजी, भाला, लाठी, योगासन सहित कई शारीरिक एवं मानसिक प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किए जाएंगे। आर्य समाज के प्रधान उमेश कुमार आर्य के अनुसार, यह शिविर युवाओं के चारित्रिक, मानसिक और शारीरिक विकास का उत्कृष्ट अवसर है, जिससे उनमें अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास होता है। उन्होंने बताया कि शिविर में आवास, स्वल्पाहार, पौष्टिक भोजन एवं रात्रि में दूध सहित सभी व्यवस्थाएं पूर्णतः निःशुल्क रहेंगी। शिविर में शामिल होने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास निर्धारित की गई है। साथ ही, शिविरार्थियों को निर्धारित दिनचर्या का पालन करना अनिवार्य होगा।

शिविर में प्रतिभागियों की संख्या सीमित रखी गई है, इसलिए पंजीयन 'पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर 25 अप्रैल तक किया जाएगा। आर्य समाज महाराजपुर द्वारा समय-समय पर वैदिक ज्ञान, नेत्र शिविर, महिला उत्थान एवं सर्वरोग निदान जैसे सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते रहे हैं। संस्था द्वारा इस शिविर के आयोजन में विशेष आर्थिक व्यय किया जाता है। राष्ट्र निर्माण के इस पुनीत कार्य में सहयोग देने के इच्छुक दानदाता आर्य समाज महाराजपुर में दान राशि जमा कर रसीद प्राप्त कर सकते हैं।

ड्यूटी के दौरान प्रधान आरक्षक को हार्ट अटैक, ग्वालियर रेफर

छतरपुर। पुलिस कार्यालय में उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब महिला सुरक्षा शाखा में पदस्थ प्रधान आरक्षक गणेश सिंह गौतम को ड्यूटी के दौरान अचानक सीने में तेज दर्द उठा। उनकी बिगड़ती हालत को देखते हुए साथी कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया।

जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हार्ट अटैक की पुष्टि की। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अगम जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले और सीएसपी अरुण सोनी मौके पर पहुंचे और उपचार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर होने के चलते बेहतर इलाज के लिए प्रधान आरक्षक को एंबुलेंस से ग्वालियर रेफर करने की सलाह दी, जिसके बाद उन्हें तत्काल ग्वालियर भेजा गया। बताया जा रहा है कि यह घटना शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच की है।

शिक्षा विभाग में रिचार्ज सिस्टम का खेल जारी, जूनियर अधिकारियों को मिल रहा संरक्षण

छतरपुर। जिले के शिक्षा विभाग में अधिकारियों के फेरबदल के बावजूद कथित रिचार्ज सिस्टम अब भी जारी होने के आरोप सामने आ रहे हैं। कलेक्टर पार्थ जैसवाल द्वारा पूर्व अधिकारी को हटाए जाने के बाद भी व्यवस्था में कोई ठोस बदलाव नहीं दिख रहा है। जानकारी के अनुसार, जिले में तीन दर्जन से अधिक जूनियर प्राचार्यों और विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को सीनियर अधिकारियों को नजरअंदाज कर पदों पर बनाए रखा गया है।सूत्रों का दावा है कि यह पूरा सिस्टम हर माह कथित लेन-देन पर आधारित है, जिसमें विभागीय बाबू कमलेश खरे तक राशि पहुंचाई जाती है और आगे अधिकारियों तक भी इसके पहुंचने की चर्चा है। इसी कारण वर्षों से यह व्यवस्था बिना रोक-टोक चलती आ रही है। गौरिहार विकासखण्ड में बीईओ के पद पर नियुक्त धनीराम पटेल का मामला इसका उदाहरण बताया जा रहा है, जहां सीनियर अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद जूनियर को जिम्मेदारी दी गई है।

44 एमपीआरआरडीए के अधिकारी–ठेकेदारों पर ईओडब्लू में मामला दर्ज

रीवा–मऊगंज में 18.50 करोड़ का सड़क घोटाला

घटिया डामर से बनाई सड़क,2017–2021 के कार्यों में खुला बड़ा फर्जीवाड़ा

रीवा।

ईओडब्लू ने एमपीआरआरडीए रीवा और मऊगंज के 44 अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन अधिकारियों और ठेकेदारो ने मिलकर सड़क निर्माण में घटिया डामर का इस्तेमाल किया। इसके बाद फर्जी इनवाइस लगाकर 18.50 करोड़ का भुगतान भी करा लिया। शिकायत की जांच के बाद ईओडब्लू रीवा ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। ईओडब्लू एसपी अरविंद सिंह ठाकुर से मिली जानकारी के अनुसार प्रकोष्ठ मुख्यालय भोपाल में एक शिकायत पहुंची थी।

धोखाधड़ी व भ्रष्टाचार की धाराओं में कार्रवाई

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि मप्र ग्रामीण सड़क प्राधिकरण क्रियान्वयन ईकाई रीवा और मऊगंज में वर्ष 2017 से 2021 तक संविदाकारों ने डामरीकरण के कार्य में फर्जीवाड़ा किया। बिटुमिन के फर्जी इनवाइस से विभाग से राशि का भुगतान प्राप्त किया है। शिकायत के साथ ही दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए थे। इस शिकायत को विभाग ने गंभीरता से लेते हुए दस्तावेजों का परीक्षण किया। परीक्षण में पाया गया कि वर्ष 2017 से 2021 की अवधि में सड़क निर्माण के लिए संबंधित संविदाकारों ने विभाग में इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड के नाम से कूटरचित इनवाइस का उपयोग किया। फर्जी इनवाइस प्रस्तुत कर विभागीय अधिकारियों से सांठगांठ कर आपराधिक षड़यंत्र रचते हुए डामरीकरण का भुगतान ले लियाशिकायत का सत्यापन कराने के बाद मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण परियोजना क्रियान्वयन इकाई रीवा और मऊगंज के संबंधित अधिकारियों की अपराध में संलिप्तता पर अलग अलग अपराध पंजीबद्ध किए गए हैं। इन सभी पर कूटरचना और धोखाधड़ी का मामला पंजीबद्ध किया गया है। इन सभी आरोपियों के खिलाफ अपराध की धारा 420, 467, 468, 471 एवं 7 सी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधन अधिनियम 2018 के पृथक पृथक अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।18 करोड़ रुपए का हुआ फर्जी भुगतानअधिकारियों और ठेकेदारों ने मिलीभगत कर रीवा और मऊगंज में करोड़ों रुपए का फर्जी भुगतान लिया गया। रीवा में कुल 12 लाख 71 लाख 6 हजार 372 रुपए का भुगतान हुआ। इसी तरह मऊगंज में 5 करोड़ 88 लाख 26 हजार 713 रुपए का फर्जी तरीके से भुगतान किया गया।रीवा में 27 अधिकारियों और ठेकेदारों पर प्रकरण हुआ दर्जईओडब्लू ने रीवा परियोजना क्रियान्वयन इकाई के तत्कालीन महाप्रबंधक राजीव कुमार दबे, कैलाश कुमार सोनी, जुगल किशोर गुप्ता, रामकुमार तिवारी, सहायक प्रबंधक मोहम्मद शाहनवाज, प्रकाश नारायण त्रिपाठी, अमरेश कुमार पाण्डेय, दिनेश कुमार शुक्ला, मुनि माधव मिश्रा, उपयंत्री दुर्गादास द्विवेदी, गीता कान्तोड़े, अशीष शर्मा, वंदना पाण्डेय, प्रियंका अग्रवाल, आकांक्षा सोहगौरा, शिवपाल सिंह परिहार, संविदाकार विजय सिंह, विनय कुमार द्विवेदी, स्वतंत्र कुमार मिश्रा, प्रमोद मिश्रा मेसर्स शांति कंस्ट्रक्शन कंपनी, के के सोहगौरा, रामसज्जन शुक्ला, सतेन्द्र कुमार तिवारी, रमेश कुमार गुप्ता, मेसर्स मैहर सीमेंट एंड पाइप्स, नीरज द्विवेदी, पुष्पेन्द्र सिंह, अजय मिश्रा और अन्य पर मामला दर्ज किया गया है।गऊगंज में 17 अधिकारी, ठेकेदारों पर प्रकरण दर्जइसी तरह मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण परियोजना क्रियान्वयन इकाई मऊगंज में आरोपीगण तत्कालीन महाप्रबंधक रामकुमार तिवारी, जुगल किशोर गुप्ता, सहायक प्रबंधक एके सिंह, सुजीत कुमार निगम, भास्कर शर्मा, दिनेश प्रसाद तिवारी, उपयंत्री अमित कुमार गुप्ता ,रवि गिडवानी, उदय प्रकाश द्विवेदी, शिवपाल सिंह परिहार, अरुण कुमार पटेल, संविदाकार रामसज्जन शुक्ला, केके सोहगौरा, स्वामी चरण सिंह, प्रतिनिधि मेसर्स बानको कंस्ट्रक्शन कंपनी, देवेन्द्र सिंह मेसर्स ब्रम्हदीन एंड संस, त्रिवेणी प्रसाद मिश्रा, नीरज द्विवेदी एवं अन्य संबंधित ने फर्जीवाड़ा किया है। इनके खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया है।

खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों दिया जा रहा है दो-दो माह का खाद्यान्न

उचित मूल्य दुकानों से मार्च-अप्रैल और मई-जून का एक साथ मिलेगा राशन

रीवा । खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पात्र राशन कार्डधारियों को हर महीने निर्धारित मात्रा में उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न दिया जा रहा है। उपभोक्ताओं को मार्च-अप्रैल तथा मई-जून माह का खाद्यान्न एक साथ दिया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार मार्च और अप्रैल माह का खाद्यान्न उचित मूल्य दुकानों में उपलब्ध कराकर इसका 15 अप्रैल तक वितरण किया जाएगा। मई और जून माह का खाद्यान्न 15 अप्रैल से 15 मई की अवधि में उचित मूल्य दुकानों में भण्डारित किया जाएगा। इसका राशन कार्डधारियों को वितरण एक मई से 31 मई तक किया जाएगा। मार्च माह का खाद्यान्न उचित मूल्य दुकानों में जारी किया जा चुका है। इसके साथ अप्रैल माह के खाद्यान्न का वितरण कराएं। खाद्यान्न का वितरण पीओएस मशीन के माध्यम से कराएं। कलेक्टर ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, जिला आपूर्ति नियंत्रक तथा सहायक आपूर्ति अधिकारियों को आवंटित खाद्यान्न का समय पर वितरण कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि उचित मूल्य दुकानों से हितग्राहियों को खाद्यान्न, शक्कर एवं नमक का पात्रता के अनुसार वितरण कराएं। जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम जारी ऑनलाइन आवंटन के अनुसार उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न की आपूर्ति कराएं। खाद्यान्न तथा अन्य सामग्री उचित मूल्य दुकान पहुंचने पर परिवहनकर्ता को तत्काल पीओएस मशीन से ऑनलाइन पावती प्रदान करें। हितग्राहियों को दो-दो माह का खाद्यान्न एक मुश्त प्रदान करें। एसडीएम राजस्व तथा खाद्य विभाग के अधिकारियों से उचित मूल्य दुकानों में भण्डारित और वितरित खाद्यान्न का सत्यापन कराएं। पात्र परिवारों को वितरित खाद्यान्न की मात्रा का विवरण पीओएस मशीन के माध्यम से दर्ज करके उसे पावती दें। हर पात्र राशन कार्डधारी को दो-दो माह का खाद्यान्न वितरित कराएं।

जिले में चोरों का तांडवः सूने घर को बनाया निशाना

रीवा। शहर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं के बीच एक बार फिर अज्ञात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देकर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत करहिया मंडी के पीछे स्थित एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए चोरों ने लाखों रुपए के जेवर और नगदी पार कर दी। घटना के समय पूरा परिवार गांव गया हुआ था, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने घर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम देकर रफूचक्कर हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित क्षमा शर्मा पति धर्मेंद्र शर्मा अपने परिवार के साथ बीते दिवस अपने पैतृक गांव छिबौरा गई हुई थीं। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और सुनियोजित तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम दिया।पीड़ित परिवार के मुताबिक, चोरों ने घर में रखे करीब 10 तोला सोना, 1 किलो चांदी के जेवरात और 50 हजार रुपए से अधिक नगद राशि चोरी कर ली। घटना की सूचना मिलते ही चोरहटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही फॉरेंसिक साइंस लैब टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस का मानना है कि चोर पहले से घर की रेकी कर चुके थे और परिवार के बाहर जाने का इंतजार कर रहे थे।सुबह लौटे तो उड़ गए होशपरिवार जब सुबह गांव से वापस लौटा तो घर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ मिला। अंदर प्रवेश करने पर देखा कि कमरे का सामान बिखरा पड़ा है और अलमारी खुली हुई है। जेवर और नकदी गायब देखकर परिजनों के होश उड़ गए। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदातघर में लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरी की पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज में दो अज्ञात युवक घर के अंदर और बाहर आते-जाते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने फुटेज को कब्जे में लेकर आरोपियों की पहचान और तलाश शुरू कर दी है।

परिवहन विभाग रीवा ने यात्रियों की सुरक्षा के लिए चलाए विशेष जांच अभियान

रीवा

परिवहन विभाग ने यात्री बसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विशेष जांच अभियान चलाया है। इस अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों पर सख्त कार्रवाई की गई।परिवहन आयुक्त ने यात्री बसों में सुरक्षा मानकों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। उन्होंने बस के गेट (दरवाजे) के सामने बस की बैठक क्षमता (सीटिंग कैपेसिटी) को स्पष्ट रूप से लिखना अनिवार्य कर दिया है। यह व्यवस्था यात्रियों को बस की अधिकतम क्षमता की जानकारी आसानी से उपलब्ध कराएगी, जिससे ओवरलोडिंग (क्षमता से अधिक यात्रियों को ले जाना) को रोका जा सकेगा।यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए चेकिंग में फर्स्ट एड बॉक्स, फायर एक्सटिंग्विशर, आपातकालीन निकास द्वार और अन्य सुरक्षा उपकरणों की जांच पर विशेष ध्यान दिया गया।ओवरलोडिंग और अन्य नियम उल्लंघनों पर चालान तथा आवश्यकता पड़ने पर बस का परमिट निलंबन या अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी।परिवहन आयुक्त महोदय ने कहा कि यह कदम सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यात्रियों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। उन्होंने सभी बस संचालकों से अपील की है कि वे बस के गेट के सामने बैठक क्षमता स्पष्ट अक्षरों में अंकित करें और सभी सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करें।यह अभियान रीवा जिले सहित मध्य प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी जारी रहेगा। यात्रियों से भी अनुरोध है कि वे बस में चढ़ने से पहले सीटिंग क्षमता की जानकारी लें और क्षमता से अधिक भीड़ वाले वाहनों में यात्रा न करें।यात्रियों की सुरक्षा ही प्राथमिकता है परिवहन विभाग का यह प्रयास सड़कों पर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सात बसों पर कार्यवाही की गई है।

राज्य अधिवक्ता परिषद के सदस्य पद हेतु रीवा जिले से एडवोकेट सुमिता सिंह गहरवार एक मात्र महिला उम्मीदवार

रीवा। ज्ञात हो की मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव वर्ष 2026 में महिलाओं हेतु 5 सीट आरक्षित है और रीवा जिले से कई अधिवक्ता राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव में प्रत्याशी है और रीवा जिला अधिवक्ता संघ में नामांकित अधिवक्ता सुमिता सिंह गहरवार एक मात्र अधिवक्ता है जो रीवा जिले से संघ में नामांकित महिला प्रत्याशी के रूप में प्रत्याशी है ज्ञात हो की रीवा जिले में 5000 से अधिक अधिवक्ता पंजीकृत है और प्रदेश में सर्वाधिक महिला अधिवक्ता रीवा जिले में है वही एडवोकेट सुमिता सिंह गहरवार ने अपना नामांकन प्रत्याशी के रूप में कर दिया है सुमिता सिंह गहरवार के समर्थन में एडवोकेट राजीव सिंह परिहार (शेरा सिंह) , एडवोकेट सुरेश विश्वकर्मा, एडवोकेट संतोष कुशवाहा, एडवोकेट तृषा कुशवाहा, एडवोकेट साक्षी सिंह बघेल, एडवोकेट संभव मिश्रा, एडवोकेट गिरीश पटेल एडवोकेट बृजेन्द्र सिंह परिहार, एडवोकेट नरेंद्र सिंह एडवोकेट रोहित यादव , सिरमौर के एडवोकेट दिग्विजय सिंह, नीरज सिंह , भोपाल से एडवोकेट संतोष वर्मा, अरुण सिंह, ब्यौहारी से अखिलेश सिंह, सहडोल से लवकुश सिंह जबलपुर से रंगदेव सिंह, सचिन तिवारी, संजीव सिंह सहित सैकड़ो अधिवक्ताओं ने अपनी शुभकामना दी है।

रीवा संभाग में 15 अप्रैल से होगी गेंहू की खरीदी

रीवा । शासन द्वारा किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीदी की जाती है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में रीवा संभाग में किसानों से आगामी 15 अप्रैल से गेंहू की खरीद की जाएगी। गेंहू खरीदी के लिए स्लॉट बुकिंग का कार्य शुरू हो गया है। किसान अपनी सुविधा अनुसार स्लॉट बुक कर निधारित खरीदी केन्द्र पर गेंहू विक्रय कर सकते हैं। इस संबंध में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा संभाग के सभी कलेक्टर्स को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

एनडीपीएस एवं लूट के मामले में फरार शातिर अपराधी विकास साहू, इब्बू उर्फ इमरान शाह को अमहिया पुलिस ने किया गिरफ्तार

रीवा। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत के द्वारा चलाए जा रहे प्रहार 2 को मिली एक और सफलता, पुलिस अधीक्षक रीवा शैलेन्द्र सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह , सीएसपी रितु उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अमहिया ने स्टाफ सहित एनडीपीएस के 2 मामलों और लूट के मामले में फरार शातिर अपराधी विकास साहू और इब्बू उर्फ इमरान शाह को किया गिरफ्तार, दोनों पर रीवा सतना मऊगंज कई जिलों में दर्ज हैं आपराधिक प्रकरण,आरोपियों के कब्जे से एक स्विफ्ट कार और एक लाख रुपय सहित कई महत्वपूर्ण साक्ष्य पुलिस ने किए जप्त* घटना का विवरण दिनांक 11.04.2026 के दरमियानी रात्रि मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई की पूर्व के एन.डी.पी.एस. के अपराध में फरार आरोपी विकास साहू अपने साथी इमरान शाह उर्फ इब्बू के साथ एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार में बंधान मोहल्ला के पास रोड के किनारे कार में बैठा हुआ है सूचना की तस्दीक हेतु थाना अमहिया पुलिस द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर रेड कार्यवाही की गई जहाँ पर एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार खड़ी दिखी जिसे अमहिया पुलिस द्वारा घेरा बंदी कर कार में बैठे दोनो व्यक्तियों को पकड़कर कार में बायीं तरफ बैठे व्यक्ति से उसका नाम पता पूछा गया तो वह व्यक्ति अपना नाम विकास साहू पिता रामकरन साहू उम्र 27 वर्ष निवासी निपनिया वार्ड क्रमांक 01 थाना सिटी कोतवाली जिला रीवा का होना बताया जो थाना अमहिया के पूर्व के एन.डी.पी.एस. अपराध में फरार था एवं दूसरा व्यक्ति जो ड्राइवर सीट में बैठा था अपना नाम इमरान शाह उर्फ इब्बू पिता मुन्ना शाह उम्र 26 वर्ष निवासी बड़ी दरगाह के पास वार्ड क्रमांक 23 थाना अमहिया जिला रीवा का होना बताया, पूछताछ पर आरोपी विकास साहू द्वारा अपने साथी इमरान शाह उर्फ इब्बू से नशीली कफ सीरफ खरीदकर ग्राहकों को विक्रय करना बताया एवं इमरान शाह उर्फ इब्बू द्वारा नशीली कफ सीरफ इलाहाबाद उ.प्र. से अज्ञात व्यक्ति से खरीदकर रीवा में ग्राहकों को विक्रय करना बताया गया दोनो आरोपी गणों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय रीवा के समक्ष पेश किया गया । जप्त मसरूका ₹100000/- (एक लाख रुपये नकद), 02 स्क्रीन टच मोबाइल, एक स्विफ्ट डिजायर कार कुल कीमती 11 लाख रुपए उक्त कार्यवाही में उनि शिवा अग्रवाल, उनि आर.एन. बागरी, प्रधान आरक्षक केमला प्रसाद, आरक्षक आशीष, आर. विकास तिवारी, आर. शंकरदत्त जयसवाल, आर. दिवाकर तिवारी, आर. कौशलेन्द्र, आर. श्याम पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

डॉ अंबेडकर जयंती मनाने तैयारी बैठक संपन्न

रीवा। सामाजिक क्रांति के अग्रदूत, भारतीय संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ भीमराव अंबेडकर की 136 वीं जयंती के अवसर पर आगामी 14 अप्रैल को समता सम्पर्क अभियान, नारी चेतना मंच, विंध्यांचल जन आंदोलन एवं समाजवादी कार्यकर्ता समूह के संयुक्त तत्वावधान में एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। संगोष्ठी में डॉ अंबेडकर के व्यक्तित्व कृतित्व पर चर्चा होगी। इसकी तैयारी के लिए स्थानीय नेहरू नगर में एक विशेष बैठक शनिवार को सम्पन्न हुई जिसमें प्रमुख रूप से समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे, समाजसेवी श्रवण प्रसाद नामदेव, नारी चेतना मंच की पूर्व अध्यक्ष गीता महंत, वरिष्ठ नेत्री डॉ श्रद्धा सिंह एडवोकेट, अध्यक्ष साक्षी मोटवानी महंत, सचिव दुर्गा साकेत आदि की भागीदारी रही।

छात्राओं का किया गया एचपीवी वैक्सीनेशन

रीवा । जिले में किशोरियों के स्वास्थ्य को सुरक्षित करने विशेष रूप से सर्वाइकल कैंसर के बचाव के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत दो विद्यालयों सेंट्रल एकेडमी रीवा और जेंटल शेफर्ड हायर सेकेंडरी स्कूल बैकुंठपुर में टीकाकरण दल द्वारा 14 और 15 वर्ष की आयु की छात्राओं का टीकाकरण किया गया। टीकाकरण में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राज्य शासन द्वारा चलाए जा रहे इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाना है। विशेषज्ञों के अनुसार यह टीका भविष्य में महिलाओं के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने में अत्यंत कारगर साबित होता है। प्रशासन और स्कूल प्रबंधन के समन्वय से इस अभियान में सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

भूसा गौशालाओं को दान कराने के लिए किसानों को जागरूक करें - कमिश्नर

रीवा । रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा है कि रबी फसल की कटाई के बाद किसान नरवाई से भूसा बनाकर गौशालाओं को दान करें। रीवा संभाग में 318 गौशालाओं में निराश्रित और बीमार गौवंश की देखभाल की जा रही है। संभाग के सभी कलेक्टर किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें गौशालाओं को भूसा दान करने के लिए प्रेरित करें। इससे एक ओर जहाँ नरवाई की समस्या दूर होगी वहीं दूसरी ओर गौ सेवा के रूप में पुण्य भी मिलेगा। पशुपालन विभाग के मैदानी कर्मचारी भूसा दान अभियान चलाकर किसानों को गौशालाओं को भूसा देने के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर राजस्व निरीक्षक, पटवारी, ग्रामीण विकास विभाग के कर्मचारी तथा पशुपालन एवं कृषि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तैनात करके गांवों में भूसा दान अभियान चलाएं। ग्राम पंचायतों के माध्यम से भी भूसे का संग्रहण कराकर उसे गौशालाओं तक पहुंचाएं।

नरवाई में आग लगाने वालों पर होगी कठोर कार्यवाही

रीवा । जिले में कृषकों तथा पशुपालकों को भूसे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा गर्मियों में होने वाली आग की दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने नरवाई जलाने पर प्रतिबंध के आदेश दिए हैं। यह आदेश सम्पूर्ण रीवा जिले में लागू है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किए गए हैं। प्रतिबंध का उल्लंघन करके नरवाई जलाने पर दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों पर 2500 रुपए, दो से पाँच एकड़ तक के किसानों पर 5000 रुपए तथा पाँच एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों पर 15000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। वर्तमान परिस्थितियों में आदेश की व्यक्तिशः तामीली संभव नहीं है इसलिए भारतीय नागरिक संहिता की 2023 धारा 163 (2) के तहत आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जा रहा है।

गौशालाओं में भूख-प्यास से तड़पकर दम तोड़ रहे गोवंश!

सरकारी गौशालाओं के हाल बेहाल, श्री कृष्णा गौशाला भैसहई की स्थिति दयनीय, अधिकारियों ने कहा करेंगे कार्यवाही

मऊगंज जिले में पंचायत स्तर मे आधा सैकड़ा से अधिक गोशालाएं निराश्रित बेसहारा गोवंश के संरक्षण के लिए संचालित हो रही हैं। लेकिन यहां जमीनी हकीकत यह है कि अधिकतर गौशालाओं में न चारा की व्यवस्था है और न चिकित्सका की। ऐसे में चारा भूसा एवं चिकित्सा के अभाव में गोवंश तड़पकर दम तोड़ रहे हैं। इसी कड़ी मे हनुमना विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत करकचहा में संचालित श्री कृष्णा गौशाला भैसहई के जमीनी हालात यहां चारा-भूसा और चिकित्सा के अभाव में गोवंश दम तोड़कर सरकारी दावों की पोल खोल रहे हैं। हालात ऐसे है कि मानो इन दिनों इनकी देखभाल पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की प्राथमिकता पर नहीं है। बेसहारा गोवंशों के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसमें उनके संरक्षण से लेकर खाने व चिकित्सा तक की व्यवस्था है। लेकिन सरकारी योजनाएं सिर्फ कागजों तक ही सीमित होती नजर आ रही है, इसकी हकीकत श्री कृष्णा गौशाला भैंसहई में आसानी से देखी जा सकती है जहां मृत हालत में पड़े मवेशी, गौशाला परिसर में फैली दुर्गंध, मानो गुहार लगाकर बोलती है कि यहां सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है, गोवंश संरक्षण के नाम पर सिर्फ सिर्फ कागजी घोड़े दौड़ रहे हैं। गौशालाओं में क्या हो रहा है यह देखने के लिए जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को या तो समय नहीं है या फिर जमीनी हकीकत जानने की कोशिश नहीं करते या अपनी जिम्मेदारी भूल कर गौशाला संचालकों के हिसाब से सब करने के लिए छूट दे रखी है। लाखों खर्च फिर भी तड़प-तड़प कर मर रहे मवेशीनिराश्रित मवेशियों के सुरक्षा हेतु प्रति गोशाला में प्रति महीने लाखों रुपये भूसे, चुनी-चोकर व कर्मचारियों सहित चिकित्सा सुविधाओं पर खर्च किया जाता है, लेकिन भैसहई जैसी गौशाला में रखे गए गोवंश इलाज और भूख से तड़प कर दम तोड़ रहे हैं जिन्हें देखने वाला कोई नजर नहीं आ रहा। बेसहारा गोवंशों के संरक्षण के लिए जिले में ब्लाक व गांव स्तर पर गोशालाएं संचालित हो रही हैं। लेकिन इन गोशालाओं की देखरेख के नाम पर सिर्फ कागजी पत्र की दौड़ाए जाते हैं। जबकि धरातल पर गोवंश भूख और इलाज के आभाव में दम तोड़ रहे हैं। श्री कृष्णा गौशाला भैसहई की जमीनी हकीकत देखने विगत दिवस पहुंचने पर देखा गया कि गौशाला के अंदर मृत मवेशी पड़े है और वही दर्जनभर से भी ज्यादा गोवंश ऐसी हालत में नजर आए जो चारा भूसा एवं दवा के अभाव में दम तोड़ने की कगार पर पहुंच चुके हैं। हालात से साफ झलक रहा था कि उन्हें भरपूर मात्रा में पौष्टिक आहार नहीं दिया जा रहा है। इस दौरान मौके पर मौजूद ग्रामीण एवं गौशाला में काम करने वाले चरवाहों ने बताया कि जो मवेशी चलने फिरने लायक है उन्हें जंगल चराने ले जाते हैं जो चल फिर नहीं सकते उन्हें गौशाला में छोड़ दिया जाता है चरवाहों ने कहा गौशाला में दो माह पूर्व ढाई सौ से अधिक मवेशी थे वर्तमान में डेढ़ सौ के आसपास है इस प्रश्न पर की शेष मवेशी कहां गए तो दबी जुबान से चरवाहों ने बताया कि 2 महीने के अंतराल में सैकड़ो मवेशी मर चुके हैं। गौशाला परिसर में पड़े मृत मवेशी, फैली दुर्गंधचारा भूसा एवं समुचित उपचार के अभाव में मर रहे मवेशियों की ओर न तो गौशाला संचालक द्वारा ध्यान दिया जा रहा और ना ही जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा, हालात इस कदर देखने को मिले कि एक तरफ जहां गौशाला के अंदर मृत पड़े मवेशी नजर आए वही गौशाला परिसर में ही मृत मवेशी के अवशेष को कुत्ते शिकार करते देखे गए। गौशाला में अव्यवस्था एवं जिम्मेदारों द्वारा की जा रही अनदेखी के कारण एक तरफ जहां चारा एवं दवा के अभाव में गौवंश काल के गाल में समा रहे हैं वहीं जिम्मेदारों द्वारा अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं किया जा रहा है। इस विषय को लेकर स्थानीय निवासियों एवं गौशाला में काम करने वाले चरवाहों ने कहा आए दिन मृत हो रहे मवेशियों को मानक के अनुसार व्यवस्थित नहीं किया जाता, उन्हें खुले में फेंक दिया जाता है जिसके कारण जहां आसपास का वातावरण दुर्गंध युक्त बना रहता है वही मृत मवेशियों के अवशेष को आवारा कुत्ते एवं जंगली जानवर शिकार करते नजर आते हैं। जिम्मेदारों द्वारा बर्ती जा रही है अनियमितता के कारण एक तरफ जहां सरकार की गौ संरक्षण जैसी अति महत्वाकांक्षी योजना को पलीता लगाया जा रहा है वहीं आदेशों एवं निर्देशों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है।

इन्होंने कहा

बीमारी के कारण मवेशी मर रहे हैं आज भी एक बछिया की मौत हो गई है उसे व्यवस्थित कराऊंगा। जितनी व्यवस्था हो सकती है बेहतर करने की कोशिश करता हूं और कर रहा हूं।

दशरथ प्रसाद कोरी
सरपंच प्रतिनिधि गौशाला संचालक

जिले में संचालित सभी गौशालाओं का निरीक्षण होता है। टीम को भेज कर भैसहई गौशाला की जांच कराई जाएगी और गौशाला संचालक को नोटिस दी जाएगी। यदि गौशाला संचालक की कार्यशैली में सुधार नहीं होता तो गौशाला संचालन का दायित्व दूसरे समूह को दिया जाएगा।

डॉ जेएल साकेत
प्रभारी डिप्टी डायरेक्टर पशु चिकित्सा मऊगंज

हाई स्कूल रामपुर रतनगवां में जल संरक्षण पर पोस्टर और रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मऊगंज

जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पीएमश्री शासकीय हाई स्कूल रामपुर रतनगवां में एक रचनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं ने जल संरक्षण पर आधारित आकर्षक पोस्टर मेकिंग और रंगोली प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अपनी कला के माध्यम से छात्राओं ने पानी की हर बूंद को बचाने और भविष्य के लिए जल संचय के महत्व का संदेश दिया। रंगीन रंगों और चित्रों के जरिए छात्राओं ने जल संकट के समाधान और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों को बखूबी प्रदर्शित किया। विद्यालय प्रबंधन ने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल बच्चों की रचनात्मकता बढ़ती है, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक सकारात्मक संदेश भी जाता है।